



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 24, 1991/माघ 4, 1912

No. 39]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 24, 1991/MAGHA 4, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

separate. Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पक्ष पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1991

सा.का.नि. 47 (अ) :—महापत्तन (जलयान के प्रवेश, रुकने, आवागमन और विकास का विनियमन)
संशोधन नियम, 1990 का प्रारूप, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की
उपधारा (2) की अध्यानुसार, भारत सरकार के जल भूतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि.
629 (अ), तारीख 10-7-90 के अधीन, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख
10-7-90 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना

थी, उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैसाश्राम दिन की श्रमग्रही की समाप्ति पर या उसके पश्चात् आशेष और सुझाव मंगे गए थे;

और उक्त राजपत्र 23 जुलाई, 1990 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और जनता में कोई आशेष या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम महापत्तन (जलयान के प्रवेश करने, आवागमन और विकास का विनियमन) संशोधन नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 3 के उपनियम (1) में,—

(क) खंड (इ.) के पश्चात् निम्नलिखित खंड संतुष्टापित किया जाएगा अर्थात् —

“(अ) यह नथ्य कि जलयान की वशा ऐसी है कि उसमें प्रदूषकों अपशिष्टों घृणाजनक या खतरनाक अथवा अन्य वैसे ही पदार्थों से पत्तन जल के सङ्गठित होने की सम्भावना है।”

(ख) “सामान्य काम पर असर पड़ेगा” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“अथवा उसमें ऐसे पत्तन जल के सङ्गठित या प्रदूषित होने की सम्भावना है :

परन्तु यदि कोई ऐसा जलयान, जिसे उपरोक्त खंड (अ) के आधार पर किसी महापत्तन में प्रवेश करने की अनुज्ञा नहीं दी गई है, विदेशी जलयान है तो मर्यादा, फ्लैग स्टेट के कर्मागम अथवा राजनयिक प्रतिनिधि का या यदि वह संभव नहीं है तो, संशोधित पंत के प्रशासन को उन परिस्थितियों के बारे में, जिनमें, जलयान को प्रवेश करने की अनुज्ञा नहीं दी गई है, सूचित करेगा। यदि ऐसी सूचना मौखिक रूप में दी जाती है तो तत्पश्चात् उसको लिखित रूप में पुष्टि की जाए।”

[फा. म. पो. धार.—18012/2/89—पी. जं.]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

फुटनोट :—मुख्य नियम सा. का. नि. स. 360 (ई) दि. 15 मार्च, 1989 में प्रकाशित हुए थे।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th January, 1991

G.S.R. 47(E).—Whereas the draft of the Major Ports (Regulation of Entry, Stay, Movement and Exit of Vessels) Amendment Rules 1990, was published as required under sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15

of 1908) in the Gazette of India-Extraordinary, Part II Section 3, Sub-Section (1) dated 10-7-90 under the notification of the Government of India, in the Ministry of Surface Transport No. G. S. R. 629 (E), dated 10-7-90, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby on or after the expiry of forty five days from the date of publication of the notification in the official Gazette;

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 23rd July, 1990;

And whereas, no objections or suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

RULES

1. (1) These rules may be called the Major Ports (Regulation of Entry, Stay, Movement and Exit of Vessels) Amendment Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
2. In sub-rule (1) of rule 3:—
 - (a) after clause (e), the following clause shall be inserted, namely:—

“(f) the fact that the vessel's condition is such, that it is likely to contaminate port waters with pollutants, wastes, obnoxious or hazardous or other such substances.”
 - (b) after the words “affect the normal work of the port” the following words and proviso shall be added, namely:—

“or is likely to contaminate or pollute the waters of such port;

Provided that where a vessel which has not been permitted entry into a major port, by virtue of clause (f) above is a foreign vessel, the conservator shall notify the Counsel or diplomatic representative of the flag state or, if this is not possible, the Administration of the ship concerned, of the circumstances in which the vessel has not been permitted entry. If such notification is made verbally it should be confirmed in writing subsequently.”

[F. No. PR-10012/2 89-PC]

ASHOK JOSHI, Jt. Secy.

Foot Note : Principal rules were published in GSR No. 360(E) dt. 15-3-89

